

अंगना में नाची धिरैयाँ

जगो मेरे बारे कन्हैया ॥२॥

बारे कन्हैया मेरे-प्यारे कन्हैया....

अंगना में.....

सब सखियाँ मिल गोद उठावे ॥२॥

कोई-कोई लेत बलैया

जगो मेरे---- अंगना में----

संग सखा सब द्वारे खड़े हैं ॥२॥

संगे बलदाऊ भैया

जगो मेरे---- अंगना में----

नंद बबा फूले न समाये ॥२॥

डारें गले गल बैयाँ

जगो मेरे---- अंगना में----

खोलो आँखें मटकिया देखो ॥२॥

पिंजरा से बोली मुनैयाँ

जगो मेरे---- अंगना में----

ये रे "श्री बाबा श्री" लेरी हठ है कैसी ॥२॥

हँस रही यशोदा मैया

जगो मेरे---- अंगना में----